पुस्तकालय

1
3077
13/5/10

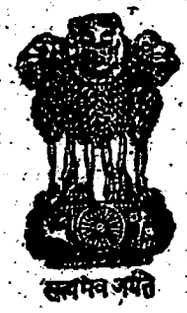

सत्यमेव जयते

असंशोधित

19 MAR 2010

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग 1-कार्यवाही-प्रश्नोत्तर)

प्रतिवेदन शाखा
गै०स०प्र०सं० 674 तिथि 14/5/10

163—मोनो—1,000

चतुर्दश विधान सभा — **शुक्रवार,तिथि १९ मार्च,२०१०ई०**
चतुर्दश सत्र — **२८ फाल्गुन, १९३१ (शक्)**

(कार्यवाही प्रारंभ होने का समय : ११.००बजे पूर्वाहन्)
(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण,
अब सभा की कार्यवाही प्रारम्भ की जाती है। प्रश्नोत्तरकाल । माननीय मंत्री,संसदीय कार्य विभाग ।

प्रश्नोत्तरकाल

अल्प-सूचित एवं तारांकित प्रश्नों की मुद्रित प्रतियों का रखा जाना

श्री नन्द किशोर यादव,मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावलीके नियम 4(ii)के परंतुक अधीन चतुर्दश बिहार विधान सभा की द्वितीय,तृतीय,चतुर्थ,पंचम्,षठम् एवं सप्तम् के अल्प-सूचित एवं तारांकित प्रश्नोंत्तरों (कुल १३०) मुद्रित प्रतियां सदन के पटल पर रखता हूं ।

अध्यक्ष : अब अल्प-सूचित प्रश्न लिये जायेंगे । मा०सदस्य श्री कृष्णनन्दन प्र०वर्मा । माननीय प्रभारी मंत्री,स्वास्थ्य विभाग ।

अल्प-सूचित प्रश्न संख्या : ४८

श्री नन्द किशोर यादव,मंत्री : अध्यक्ष महोदय, खंड १ : उत्तर अस्वीकारात्मक है ।

खंड २: उत्तर अस्वीकारत्मक है । वस्तुस्थिति यह है कि सामान्य वार्डों में ससमय चिकित्सकों का राउंड होता है और राउंड के उपरांत रोस्टर के अनुसार चिकित्सक वार्डों में सेवारत रहते हैं । आवश्यक्तानुसार वरीय चिकित्सकों को ऑनकॉल बुलाने की व्यवस्था है ।

खंड ३ : उपरोक्त खंड २ में स्थिति स्पष्ट कर दी गयी है ।

श्री कृष्णनन्दन प्र०वर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं आप के माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि स्थिति यह है महोदय कि इमरजेंसी में जब कोई पेशेंट रहता है तो उस वक्त तक उसका इलाज ठीक ढंग से चलता है लेकिन ज्योंहि उसे जेनरल वार्ड में ट्रांसफर कर दिया जाता है तो कोई भी डाक्टर उस को देखने नहीं जाते हैं । मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि यह जो कुछ भी हो रहा है, इस के औचक निरीक्षण की कोई व्यवस्था आप के पास है या नहीं या आप का ऐसा कोई इरादा है कि आप इस की औचक निरीक्षण कर के इस की सपुष्टि कर लें ?

श्री नन्द किशोर यादव,मंत्री : महोदय, जैसाकि मैंने कहा कि डाक्टरों की ड्यूटी लगायी गयी है और मैं माननीय सदस्य के विचार से सहमत हूं और मैंने विभाग को निर्देश दिया है कि समय-समय पर औचक निरीक्षण की कार्रवाई की जाये ताकि डाक्टरों की उपस्थिति सुनिश्चित की जा सके ।

अध्यक्ष : शांति शांति । जब प्रश्नकर्त्ता माननीय सदस्य खड़े है तो आप कैसे खड़े हो गये ?

श्री कृष्णनन्दन प्र०वर्मा : अध्यक्ष महोदय, मरीज क्षेत्र से आते रहते हैं ।

अध्यक्ष : आप सीधे पूरक प्रश्न कीजिये ।

श्री कृष्णनन्दन प्र०वर्मा : महोदय, मंत्री जी का उत्तर सही प्रतीत नहीं होता है । मेर पूरक प्रश्न यह है कि पी०एम०सी०एच० में जो रोगी इमरजेंसी के बाद जेनरल वार्ड में जाता है, उस का कोई ट्रीटमेंट नहीं हो रहा है बढ़ियां से, उस का कोई केअर करनेवाला नहीं है । ११ बजे सुबह के बाद फिर दूसरे दिन जब ११ बजे सुबह डाक्टर जायेंगे तब तक उस को देखनेवाला कोई नहीं है । इसके लिए कोई कारगर उपाय करना चाहते हैं ?

अध्यक्ष : आप तो पूरक प्रश्न नहीं रख रहे हैं ।

श्री कृष्णनन्दन प्र०वर्मा : हम यह कहना चाहते हैं कि ११ बजे सुबह के बाद फिर दूसरे दिन ११ बजे सुबह इन का राउंड लगता है तो इस बीच में रोगियों के लिये माननीय मंत्री क्या सुविधा देना चाहते हैं ?

श्री नन्द किशोर यादव,मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैंने कहा कि लोगों के राउंड लगाने का रोस्टर बना है और उस के अनुसार लोग राउंड लगाते हैं । लेकिन अगर कहीं कोई कमी है तो मैंने कहा कि औचक निरीक्षण कराया जायेगा और सुनिश्चित किया जायेगा कि जिन की डियूटी जिस समयय लगी है, वे राउंड में रहे ।

अध्यक्ष : अब आप बैठिये । मा०स० श्री रामचन्द्र पूर्वे जी ।

श्री रामचन्द्र पूर्वे : अध्यक्ष महोदय, रोगियों के मेडिकल ट्रीटमेंट से ज्यादा आवश्यक है साईकोलोजिकल ट्रीटमेंट । अगर डाक्टर हाथ भी पकड़ लेता है तो समझिये कि १/४ रोग समाप्त हो जाता है । तो महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इमरजेंसी के बाद जिन रोगियों को जेनरल वार्ड में भेजा जाता है,यूनिट में भेजा जाता है तो इन्होंने कहा कि इन्होंने रोस्टर से राउंड लगाने की व्यवस्था की है। लेकिन मेरा कहना है कि रोस्टर की व्यवस्था होने के बाद भी ११ बजे सुबह से लेकर कल ११ बजे सुबह तक यानी २४ घंटे व्यावहारिक रूप में वहां पर डाक्टरों की, चिकित्सकों की कोई व्यवस्था साईकॉलोजिकल और मेडिकल ढंग से ट्रीटमेंट नहीं करने के चलते कभी कभी आजिज हो कर के वह मरीज प्राईवेट नर्सिंग होम में चला जाता हैं तो क्या यह सही है कि नहीं ?

श्री नन्द किशोर यादव,मंत्री : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने कभी प्रश्न दूसरा किया था और आज दूसरा प्रश्न कर रहे हैं । पहले तो कहते थे कि बड़ी संख्या में मरीज जा रहे हैं, मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है और आज कह रहे है कि लोग यहां से भाग रहे हैं ।

क्रमश :

टर्न-2/सत्येन्द्र/19-3-10

श्री नन्दकिशोर यादव(मंत्री)(क्रमशः)महोदय,यह सच नहीं है, मैंने कहा कि वहां डॉ0 की ड्यूटी लगायी गयी है राउण्ड करने के लिए,सुवह को भी और शाम को भी,अगर कोई कमी है तो उस पर कार्रवाई की जायेगी,उस पर अंकुश लगायी जायेगी। डॉ0 डियूटी करें, इसके लिए औचक निरीक्षण भी किया जायेगा।

श्री रामचन्द्र पूर्वे: महोदय,क्या किसी पार्टिकुलर बार्ड में डॉक्टरों के जो राउण्ड की व्यवस्था है,उसकी एक प्रति माननीय सदस्य को देने की कृपा करेंगे,खासकर के हड्डी विभाग,कैंसर विभाग और मेडिसीन विभाग का, ताकि हमलोग भी 11 बजे 12 बजे रात में जाकर देखें कि वहां पर डॉक्टर उपलब्ध है कि नहीं।

श्री नन्दकिशोर यादव(मंत्री) अध्यक्ष महोदय,हम पूरे पी0एम0सी0एच0 के राउण्ड की सूची उपलब्ध करवा सकते हैं,इसमें क्या आपत्ति है,यह छिपी हुई चीज थोड़े ही है। आपका निर्देश होगा तो जो ड्यूटी लगी है डॉक्टरों की, उसकी पूरी सूची हम उपलब्ध करवा देंगे,इसमें कोई आपत्ति नहीं है,यह छिपाने की बात नहीं है। डियूटी लगी है किसकी किसकी, यह बतलाने में हमको क्या दिक्कत है।

श्री राम लखन महतो: अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि पटना मेडिकल कॉलेज होस्पीटल के एन0एफ0टी0 बार्ड में अर्जुन सिंह के साईड में चार पेसेंट भर्त्ती है,मैं वहां खुद गया था और इन्हीं के क्षेत्र का वहां एक पेसेंट है,एक,दो,तीन और चार नम्बर बेड पर,जब मैं वहां पहुंचा तो लोगों ने कहा कि इमरजेंसी के बाद जब से मेरा यहां ट्रांसफर हुआ है विधायक जी,पानी का सुई क्या, सिरिंज भी हमको खरीद कर के लाना पड़ता है।क्या वैसे डॉक्टरों पर कार्रवाई करने की कृपा करेंगे?

श्री नन्दकिशोर यादव: महोदय,वैसे यह प्रश्न डायभर्ट हो रहा है,अभी तक तो प्रश्न डॉक्टर के बारे में था लेकिन माननीय सदस्य ने दवा की ओर इसे बदला है। महोदय,इन्होंने पार्टिकुलर बेड नं0 1,2,3एवं4 की बात कही है। मैं उसका जांच करवा लेता हूँ,कोई गड़बड़ी हुई है तो कार्रवाई की जायेगी।

श्री रामदास राय: अध्यक्ष महोदय,प्रश्न को देखा जाय,प्रत्येक खंड का उत्तर इन्होंने दिया है,अस्वीकारात्मक,अस्वीकारात्मक,अस्वीकारात्मक। जो बिन्दु उठाये गये हैं उसमें इन्होंने कहीं नहीं स्वीकार किया है हमारे विभाग का दोष है,डॉक्टर का दोष है।

अध्यक्ष: आपका पूरक प्रश्न क्या है?

श्री रामदास राय: मैं माननीय मंत्री से जानना चाहता हूँ कि जो बिन्दु उठाये गये हैं,जो प्रश्न में उठाये गये हैं,डॉक्टर वहां नहीं जाते हैं,डॉक्टर कभी जाते भी हैं तो एक बार गये,बीच में डॉक्टर नहीं रहते हैं। मैं माननीय मंत्री से जानना चाहता हूँ,पूरे राज्य के लोग पी0एम0सी0एच0 आते हैं इसलिए सुनिश्चित कराईए महोदय, अन्यथा हल्के ढंग से लीजियेगा तो यह बहुत तेज आदमी हैं,ये तड़प कर भाग जायेंगे।

अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण,आपलोगों ने तो सिनियर डॉक्टर की बात की, जुनियर की बात की। डॉक्टर तो वहां सामान्य तौर पर रहते ही है,आप किस डॉक्टर की बात कर रहे हैं,स्पेसिफिक माननीय मंत्री को बतलाईयेगा तब न कार्रवाई की जायेगी।

श्री रामदास राय: मैंने कहा महोदय,यह मामला गम्भीर है,पूरे राज्य के गरीब लोग यहां आते हैं कि यहां पर अच्छे डॉक्टर मिलेंगे और उनका इलाज होगा लेकिन इनके डॉक्टर के लिए हमलोग चार वार,पांच बार सप्ताह में जाना पड़ता है, जब जाते हैं तो एक भी सिनियर डॉक्टर यहां नहीं मिलते हैं। मैं जानना चाहता हूँ कि आपने कभी इस तरह की बातों को सुनकर औचक निरीक्षण किया है, जब से आप इसके मंत्री हुए हैं,आप गये हैं औचक निरीक्षण करने के लिए और आप किसी पर कार्रवाई किये हैं,आप यही बतलाईए।

श्री नन्द किशोर यादव, मंत्री: महोदय, अगर माननीय सदस्य चाहें तो विगत् साढ़े चार साल में और विगत् पंद्रह साल में कितनी बार औचक निरीक्षण हुआ, हम पूरा विवरण देने के लिए तैयार हैं ...व्यवधान।

अध्यक्ष : शांति, शांति । बैठिये-बैठिये ।

श्री नन्द किशोर यादव,मंत्री: महोदय, मैंने कहा पहले कि औचक निरीक्षण की व्यवस्था होती रहती है और कई बार डॉक्टरों पर कार्रवाई भी की गई है, ऐसा नहीं है कि कार्रवाई नहीं किया गया है । फिर भी चूंकि माननीय सदस्य ने यह सवाल किया था कि औचक निरीक्षक को और मजबूत करेंगे तो मैंने कहा है करेंगे उसको । हमने कहा है कि हम करेंगे इसको । इसलिए कोई सवाल नहीं पैदा होता है ।

<u>अल्प-सूचित प्रश्न संख्या: 49 (श्री रामानुज प्रसाद)</u>

श्री नन्द किशोर यादव: महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि सामान्य रूप से सरकारी अस्पतालों के बाह्य कक्ष और अन्तर्वासी कक्ष के मरीजों को चिंहित आवश्यक दवाईयां उन्हें नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं लेकिन आपूर्त्तिकर्त्ता द्वारा यदा-कदा दवा आपूर्त्ति में विलम्ब के चलते मरीजों को दवाई उपलब्ध कराने में कठिनाई होती है, फिर भी अस्पताल प्रशासन को निदेश दिया गया है कि जो दवाईयां उपलब्ध न हो, स्थानीय स्तर पर क्रय करके मरीजों को दवा उपलब्ध कराया जाए ।

श्री रामानुज प्रसाद: अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने स्वीकारा है कि जो दवा उपलब्ध नहीं है, लेकिन जो अस्पताल में सूची टँगी है जीवन रक्षक दवाओं की, वह सूची में से मात्र दो-तीन दवा जो आम दवा है पारासिटामोल और डाइक्रोफेनिक सोडियम, यही मिल पाता है और वहां जितनी सूची टँगी है उसमें से कोई दवा नहीं मिलता । जहां तक लोकल परचेज का सवाल है तो लोकल परचेज के नाम पर मरीज को देखा जाता है कि कौन मरीज है, मरीज का स्टैटस देख कर के हमने वहां महसूस किया है, परचेज कराया जाता है । मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या राज्य के गरीब-गुरूवा जनता या आम जनता ...

अध्यक्ष : आप क्या बोल रहे हैं ? आपका पूरक प्रश्न क्या है ?

श्री रामानुज प्रसाद: पूरक प्रश्न यही है अध्यक्ष महोदय कि सरकार जो प्रचार कर रही है, क्या उसके अनुरूप जो सूची डिस्प्ले हुआ है, जो नोटिस बोर्ड पर डिस्प्ले है सूची, वह दवा उपलब्ध कराएगी? अगर जीवन रक्षक दवा उपलब्ध नहीं है तो क्या जो स्थानीय क्रय की बात आई है..

अध्यक्ष : सरकार तो करा ही रही है ।

श्री रामानुज प्रसाद: नहीं करा रही है अध्यक्ष महोदय । मैं गिनवा दूँगा, नहीं करा रही है, तभी सवाल आया है ...

अध्यक्ष : आपका पूरक प्रश्न क्या है ?

श्री रामानुज प्रसाद: अध्यक्ष महोदय, मेरा पूरक प्रश्न है कि जो जीवन रक्षक दवाओं की सूची टँगी है उस सूची के अनुरूप क्या सरकार दवा उपलब्ध कराएगी ? स्थानीय क्रय की जो बात है तो वह आम लोगों को भी स्थानीय क्रय कर के दवा उपलब्ध कराई जाएगी ?

श्री नन्द किशोर यादव,मंत्री: महोदय, मैंने कहा कि बिहार के इतिहास में पहली बार, मैंने कहा कि, .. व्यवधान..महोदय, पहली बार बिहार के इतिहास में बड़े पैमाने पर लोगों को दवाईयाँ उपलब्ध कराई जा रही है । महोदय, एक जो आशंका माननीय सदस्य को है, सरकार ने यह निर्णय लिया है कि बी0पी0एल0 और ए0पी0एल0 के चक्कर में हम नहीं पड़ेंगे, अस्पतालों में जो मरीज जाता है चाहे वह बी0पी0एल0 का हो,